This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8150**

Unique Paper Code : **62136942** **GC**

Name of the Paper : **Basic Elements of Jyotish**

Name of the Course : **B.A. (Programme) Skill Enhancement Course : Sanskrit**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written either in *Sanskrit* or in *Hindi* or in *English* but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : 12

Answer any *one* of the following questions :

(अ) भारतीय ज्योतिष के स्वरूप एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।

Highlight the structure and development of Indian Jyotish.

(ब) भारतीय ज्योतिष और मानव जीवन विषय पर एक निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on Indian Jyotish and human life.

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 12

Write notes on any *two* of the following :

(क) होराशास्त्र

(ख) वास्तुशास्त्र

(ग) संहिताशास्त्र

(घ) मुहूर्त्तशास्त्र ।

अथवा

(Or)

राशि को परिभाषित करते हुये, द्वादश राशियों के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

Define Zodiac and briefly describe the structure of twelve zodiac.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का अनुवाद कीजिए : 18

Translate any *three* of the following :

(*i*) शुक्लपक्षे द्वितीयस्तु पंचमो नवमः शुभः ।

कृष्णे बलवती तारा शुक्लपक्षे च चन्द्रमाः ॥

(*ii*) चन्द्रे शंखं च तारासु लवणं तण्डुलांस्तिथौ ।

धान्यं दुष्टर्क्षं वारे च दद्याल्लग्ने तिलांस्तिथौ ॥

(*iii*) षड्भिः प्राणैः पलं ज्ञेयं तत्षष्ट्या दण्ड उच्यते ।

दण्डषष्ट्या च नाक्षत्रमहोरात्रं प्रकीर्तितम् ॥

(*iv*) प्रत्यरौ लवणं दद्याच्छकं दद्यात् त्रिजन्मसु ।

गुणं विपत्ति तारायां निधने तिलकांचनम् ॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 18

Explain any *two* of the following :

(*i*) शुक्रे नन्दा बुधे भद्रा शनौ रिक्ता कुजे जया ।
गुरौ पूर्णाखिले कार्ये सिद्धियोगाः शुभावहाः ॥

(*ii*) अमृतं सिद्धियोगं च मद्येकस्मिन् दिने भवेत् ।
तदा च तद्दिनं दुष्टं मधुसर्पिर्विषं यथा ॥

(*iii*) आग्नेयी पूर्वदिग्ज्ञेया दक्षिणा दिक् च नैर्ऋती ।
वायवी पश्चिमा दिकस्यादैशानी च तथोत्तरा ॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 15

Write short notes on any *three* of the following :

यमघण्टयोग, नक्षत्र, सावनदिन, तिथि, पंचक